डायमण्ड कॉमिक्स

D-477

# महाबली शाका और अग्नि मानव

# महाबली शाका और अग्नि मानव

सम्पादक: गुलशनराय • कथानक: गंगाप्रसादशर्मा • चित्रांकन: सुरेन्द्रसुमन

कोसिमा के बीहड़ों से सटे लगभग तीन वर्ग मील क्षेत्र में फैले और चारों ओर कांटेदार तारों से सुरक्षित बनाये उस अन्वेषण कैंप में आज चारों ओर प्रसन्नता व्याप्त थी। तेल की खोज में लगाई गई मशीनें शान्त पड़ी थीं। पुरुष और महिला कर्मचारी चीफ़ इंजीनियर घोषाल को घेरे हुए खड़े थे, और उन्हें बधाइयां दे रहे थे।

बधाई हो घोषाल साहब!

मेरी भी मुबारक बाद स्वीकार कीजिए आपकी मेहनत रंग ले आई।

आप सब को भी मेरी मुबारक बाद! इस सफलता में आप सबका भी बराबर हाथ है। आप लोगों के प्रयत्नों से ही हम तेल खोजने में सफल हुए हैं।

89/27/10

उस रात कैंप में एक विशाल जश्न का आयोजन हुआ । पुरुष कर्मचारियों ने डटकर शराब पी, मुर्गे खाए , स्त्रियों ने शराब तो न पी, अलबत्ता ठंडे पेय पर खूब हाथ साफ किये । हां इस बीच सुरक्षा सैनिक अपनी ड्यूटी मुस्तैदी से देते रहे ताकि कोई असमाजिक व्यक्ति कैंप में न घुस सके ।

रात को जश्न धूम-धाम से सम्पन्न हुआ — लेकिन सुबह होते ही वहां हंगामा व्याप्त हो गया । क्रेन ड्राइवर घबराया हुआ चीफ इंजीनियर के खेमे में दाखिल हुआ ।

हां हुजूर उनकी साथी स्त्रियां बुरी तरह से रो रही हैं
चलो मेरे साथ। मैं स्वयं ही चलकर उनसे पूछता हूं।
चीफ इंजीनियर स्त्रियों के शिविर में पहुंचे। गायब हुई लड़कियों की साथिनों से पूछताछ की, लेकिन कुछ पता न लग सका। गायब हुई लड़कियों का सारा सामान मौजूद था।
विचित्र बात है, उनका सब सामान मौजूद है, फिर एक साथ इतनी लड़कियां कहां जा सकती हैं?
हुजूर! सुरक्षा गार्डों से तो पूछिये। हो सकता है वे जंगल में कहीं चली गई हों, या कोई हिंसक जानवर उन्हें उठा ले गया हो।
हिंसक जीव का कैंप में पहुंच पाना असंभव है। कैंप की चारदीवारी के तारों में करेंट दौड़ता रहता है।
मुख्य द्वार पर सशस्त्र गार्ड सारे दिन सारी रात गन लिये तैयार रहते हैं आओ चलें, गार्डों से ही पूछते हैं।
गार्ड रूम के पास पहुंचकर ...
क्या रात कैंप की कुछ लड़कियां बाहर गई थीं?
नहीं इंजीनियर साहब! हम रातभर मुस्तैदी से पहरा देते रहे हैं। लड़की की तो क्या कोई चिड़िया तक नहीं निकली।
कोई हादसा हो गया है क्या?

इंजीनियर के चेहरे पर पसीना फूट पड़ा।

समझ में नहीं आता, उन्हें जमीन निगल गई या आसमान खा गया।

लेकिन हुआ क्या साहब? कुछ हमें भी तो मालूम हो।

कैंप की एक दो नहीं, पूरी आठ लड़कियां गायब हो गई हैं रात को जश्न के दौरान।

गार्डों के मुख भी हैरानी से खुल गये।

आठ लड़कियां गायब? लेकिन ऐसा कैसे हो सकता है वे बाहर गई होतीं तो हमारी निगाहों में जरूर आई होतीं।

मैं दावे के साथ कह सकता हूं, कि यदि यह बात सच भी है तो वे मुख्य द्वार से बाहर नहीं गईं। हम दोनों रात एक पल के लिये भी बेखबर नहीं हुए थे।

इस मामले में देर करना उचित नहीं, मैं अभी गृहमंत्री को खबर करता हूं।

चीफ़ इंजीनियर गार्डों को और अधिक चौकसी से पहरा देने की चेतावनी देकर वापिस लौट आए। बाद में उन्होंने कैंप के अन्य कर्मचारियों के साथ पूरे कैंप को खंगाल डाला, लेकिन असफलता ही हाथ लगी। चीफ़ इंजीनियर ने उसी क्षण वायर लैस द्वारा गृहमंत्री को सारी स्थिति बता दी

मि० घोषाल आप अपना कार्य यथावत चालू रखें में शीघ्र ही मिलिट्री का एक खोजी दस्ता हैलीकाप्टर के द्वारा वहां भिजवा रहा हूं।

जैसी आपकी आज्ञा! मैं काम आरम्भ करा देता हूं।

गृहमंत्री ने तत्काल ही सुरक्षा मंत्री से विषय की गंभीरता पर बातें कीं, परिणाम स्वरूप अगले ही दिन मिलिट्री के खोजी दस्ते के पांच जासूस अपने आवश्यक उपकरणों और शस्त्रों से लैस होकर...

...वायु सेना के एक हैलीकाप्टर द्वारा कोसिमा के बीहड़ों की ओर उड़ चले। इस खोजी दस्ते के अगुवा थे, फौज के जाने माने जासूस मेजर रणवीर सिंह...

और उनके प्रमुख सहयोगी रामन। ठीक समय पर हैलीकॉप्टर बीहड़ के उस क्षेत्र में उतरा, जहां खुदाई का काम चल रहा था, फिर काप्टर से उतर कर पांचों जासूस कैंप की ओर बढ़ गए।

कैंप के मुख्य द्वार पर उन्हें चीफ़ इंजीनियर घोषाल मिले।

आप सही वक्त पर पहुंचे। यहां तो रात एक और हादसा हो गया।

क्या कोई अन्य अपहरण?

जी! हमारी भरपूर सतर्कता के बावजूद भी रात कैंप की दो और स्त्रियां गायब हो गईं।

कोई सुराग मिला?

कतई ! कुछ नहीं।
बाकी लड़कियों से पूछताछ की ?
खूब खोद-खोद कर पूछा। उनका यह कहना है कि वे दहशत के मारे सारी रात जागती रहीं थी, किन्तु सुबह के चार बजते- बजते अचानक ही उन्हें नींद आ गई थी। आंख खुली थी तो उनकी दो साथिनें गायब थीं।
सर ! मुझे तो यह सम्मोहन का कैस मालूम देता है।
मेजर के सहयोगी ने शंका व्यक्त की।
सम्मोहन... इसका क्या मतलब हुआ ?
मैंने इन जंगलों का इतिहास पढ़ा है, सुना है यहां कई ऐसी प्राचीन जातियां रहती हैं जो सम्मोहन द्वारा दूसरे व्यक्ति...
... की सोचने समझने की बुद्धि को वश में कर देती है सम्मोहित हुआ वह व्यक्ति फिर वही करता है, जो उससे करने को कहा जाता है।

विचित्र बात है, मैंने तो कभी ऐसा कहीं होते नहीं देखा।
मुझे वह जगह दिखाइये जहां से लड़कियां गायब हुई हैं।
इंजीनियर ने रहनुमाई की। वह पांचों जासूसों को लड़कियों के शिविर में ले आया।
यही वह जगह है मेजर जहां कैंप की सारी, लड़कियां रहती थीं।
हूं!
रामन ने कैंप के चारों ओर घूम-घूम कर क्षेत्र का निरीक्षण किया, फिर एकाएक उसकी निगाह एक पेड़ पर टिक गई, जिसकी शाखायें बिजली के तारों के ऊपर से होती हुई कैंप के अन्दर तक पहुंच रही थीं।
मेरा विचार है, लड़कियां इस पेड़ के ऊपर होकर बाहर गई हैं।
कैसे जाना?
पेड़ की सिचुएशन से- और मेरा विश्वास है कि उन्हें ले जाने से पहले अवश्य ही सम्मोहित किया गया होगा।
मेजर की झल्लाहट बढ़ गई।
पेड़, शाखें सम्मोहन? तुम कह क्या रहे हो रामन? पेड़ के द्वारा किसी को सम्मोहित कर यहां से ले जाना असंभव है, विशेष कर लड़कियों को।

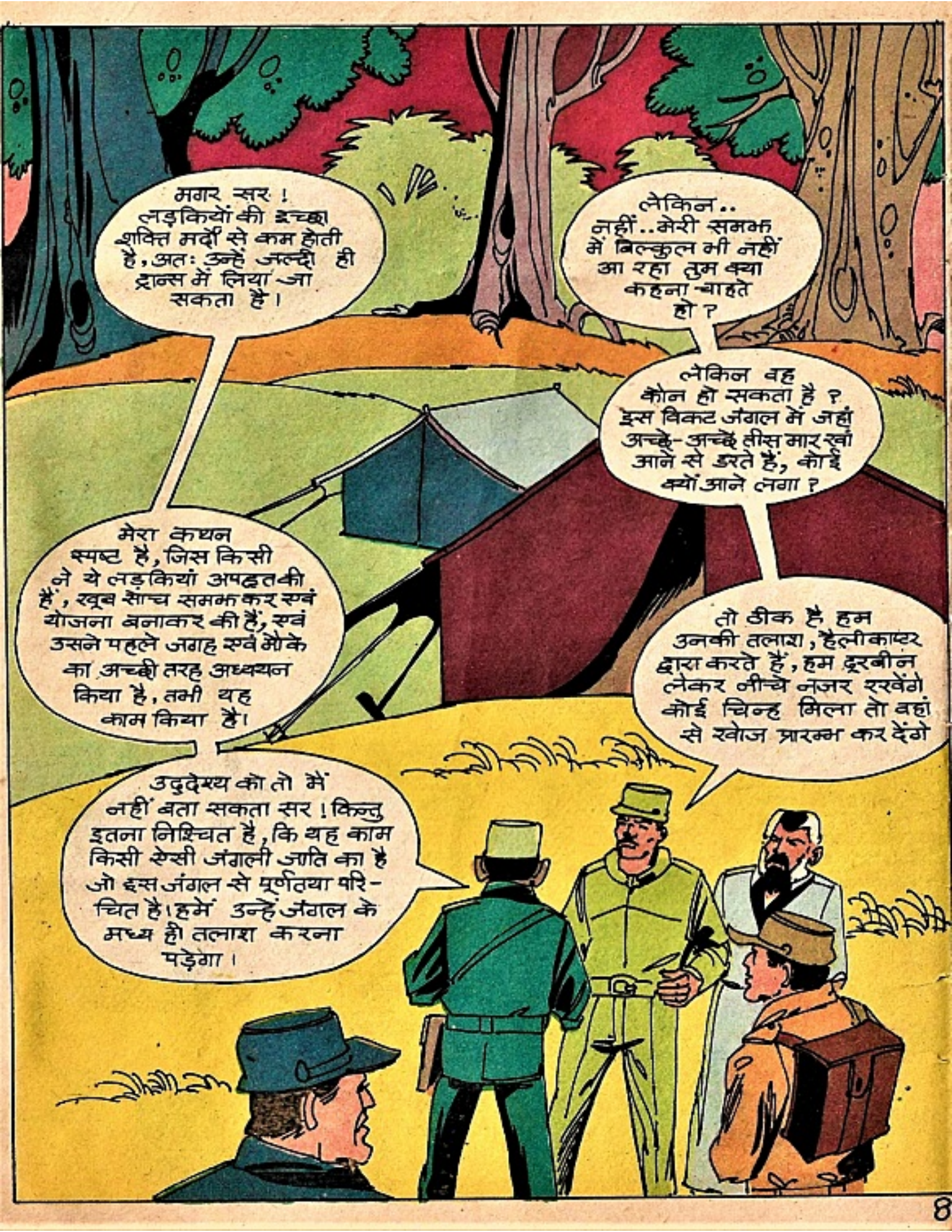
मगर सर ! लड़कियों की इच्छा शक्ति मर्दों से कम होती है, अतः उन्हें जल्दी ही ट्रान्स में लिया जा सकता है।
लेकिन.. नहीं..मेरी समझ में बिल्कुल भी नहीं आ रहा तुम क्या कहना चाहते हो ?
लेकिन वह कौन हो सकता है ? इस विकट जंगल में जहां अच्छे-अच्छे तीस मार खां आने से डरते हैं, कोई क्यों आने लगा ?
मेरा कथन स्पष्ट है, जिस किसी ने ये लड़कियां अपहृत की हैं, खूब सोच समझ कर एवं योजना बनाकर की हैं, एवं उसने पहले जगह एवं मौके का अच्छी तरह अध्ययन किया है, तभी यह काम किया है।
तो ठीक है हम उनकी तलाश, हैलीकाप्टर द्वारा करते हैं, हम दूरबीन लेकर नीचे नजर रखेंगे कोई चिन्ह मिला तो वहां से खोज प्रारम्भ कर देंगे
उद्देश्य को तो मैं नहीं बता सकता सर ! किन्तु इतना निश्चित है, कि यह काम किसी ऐसी जंगली जाति का है जो इस जंगल से पूर्णतया परिचित है। हमें उन्हें जंगल के मध्य ही तलाश करना पड़ेगा।

तभी भौंचक्के खड़े इंजीनियर ने प्रतिवाद किया।

मेजर ! यह काम तो दिन में ही संभव है, रात में उन्हें खोजना तो भूसे के ढेर में सुई को खोजने जैसा ही होगा।

हम कल प्रातः से ही इस काम को आरम्भ करेंगे। अब आओ और कैंप के कर्मचारियों को आश्वस्त करो कि वे निश्चिंत रहें, अब कोई दुर्घटना न होगी।

मेजर ने इंजीनियर को राय दी कि वह सबसे पहले कैंप में लटकती पेड़ की शाखाओं को कटवा दे

यह काम मैं अभी करा देता हूं।

इंजीनियर ने कैंप के कर्मचारियों को पेड़ की शाखाओं को काटने का आदेश दे दिया।

जिस दिन कैंप में लड़कियों के अपहरण की ये घटना घटी, लगभग उसी दिन महाबली शाका के क्षेत्र में भी लड़कियों के अपहरण की कई घटनाएँ घट चुकी थीं।

दूसरी सुबह खोजी दल के पांचों जासूस हैलीकाप्टर में बैठ लड़कियों के अपहरण कर्ताओं की तलाश में उड़ चले।

उधर महाबली शाका की गुफा पर ...
अगर तुमने सहायता न की तो बर्बाद हो जाओगे।
हम लुट गए देव पुत्र!

शाका ने उन्हें शान्त किया।
घबराओ नहीं, साफ-साफ बताओ क्या हुआ?

तुमने जंगल में उनकी खोज की? कोई वन का जानवर तो नहीं उठा ले गया?

मेरी जवान लड़की घर से गायब हो गई।
मेरी भी लड़की का पता नहीं है!

हमने पूरा जंगल छान मारा है महाबली! उनका कोई भी निशान नहीं मिला।
ऐसा मालूम होता है जैसे जादू के जोर से उन्हें किसी ने गायब कर दिया है।

घबराओ नहीं! मैं तुम्हारी सहायता जरूर करूंगा, मुझे पहले घटनास्थल दिखाओ।

आदिवासी शाका को उस तालाब के पास ले गए जहां से उनके अनुमानानुसार उनकी लड़कियां गायब हुई थीं।

लड़कियां एक साथ गायब हुई हैं या अलग अलग करके?

वे तीनों इकट्ठी यहां पानी भरने आई थीं, बाद में अपनी झोंपड़ियों तक पहुंची ही नहीं।

शाका ने तालाब के किनारे रेत में बने पद-चिन्हों का निरीक्षण किया और झुक-कर उन्हें सूंघने लगा।

काफी देर तक यही क्रम चला, फिर एक जगह दो जोड़ी बड़े-बड़े पद चिन्हों की ओर देखकर निश्चयात्मक स्वर में बोला।

यह पद चिन्ह हमारे क्षेत्र के किसी व्यक्ति के नहीं हैं, इतने बड़े पैर यहां किसी के नहीं हैं।

शाका पद चिन्हों का अनुगमन कर आगे बढ़ा।

ये चिन्ह पहाड़ों की ओर चले गए हैं, ऐसा लगता है, अपहरण कर्ता उन्हें स्वेच्छा से ले गए हैं।

हमारी लड़कियां किसी अजनबी के साथ स्वेच्छा से क्यों जाने लगीं?

इस रहस्य का पता तो लड़कियां मिलने पर ही चलेगा, लेकिन यह बात निश्चित है, अपहरण कर्ता उन्हें जबरन नहीं ले गए हैं, क्यों कि रेत पर संघर्ष के कोई भी चिन्ह नहीं हैं।

तब फिर अब क्या करें? क्या सन्तोष करके घर बैठ जाएं, और उन्हें हमेशा के लिये खोया हुआ मान लें?

हरगिज नहीं! मैं उन्हें तलाश कर ही दम लूंगा। चाहे इसके लिये मुझे शान्त पहाड़ों के आर-पार भी क्यों न जाना पड़े।

पद चिन्हों का अनुसरण करते हुए वे स्वर्ण रेखा नदी तक पहुंच गये और यहीं से उनके क्षेत्र की सीमा समाप्त हो गई।

यहां उनके पद चिन्ह समाप्त हो गए हैं, लगता है वे नदी पार कर शान्त पहाड़ों के क्षेत्र में चले गए हैं।

पर उन पहाड़ों में तो बुकेनो लोग रहते हैं, जिनसे हमारे अच्छे सम्बन्ध नहीं हैं, अपने सुनहरे पहाड़ की रक्षा के लिये वे हमें अपने क्षेत्र में घुसने नहीं देंगे।

हां देवपुत्र! उनके विषबुझे तीर सदैव शत्रु के शरीर में पैवस्त होने के लिये तत्पर रहते हैं।

और उनके टट्टू तो बस कयामत हैं, इस पथरीले क्षेत्र में वे बिजली की भांति दौड़ते हैं। शत्रु का संहार कर बुकेनो पलक झपकते ही टट्टुओं पर बैठ गायब हो जाते हैं।

लेकिन मुझे इस क्षेत्र में प्रवेश करना ही पड़ेगा। बुकेनो सरदार मेरे नाम से परिचित है। वैसे मुझे इतना तो विश्वास है कि यह काम बुकेनो जाति के लोगों का नहीं है।

पर ऐसा विश्वास क्यों महाबली?

यद्यपि बुकेनो एक युद्ध प्रिय जाति है, पारम्परिक प्रथा के अनुसार वे विदेशियों को अपने क्षेत्र में नहीं आने देते, फिर भी वे नरभक्षी नहीं हैं, और ना ही चोर!

बुकेनो अपनी ही स्त्रियों से विवाह करते हैं वे वंश परम्परा का बड़ा ध्यान रखते हैं, किसी अन्य जाति की स्त्री से विवाह करना वे जुर्म मानते हैं।

लेकिन देवपुत्र ! इसमें बहुत खतरा है, आप आज्ञा दें तो हम अपने बहादुरों के साथ आपकी रक्षा के लिये चलें।

इसकी जरूरत नहीं ! मैं अकेला ही वहां जाऊंगा, कोसिमा के सैनिकों को देखकर बुकेनो भड़क सकते हैं, और इसका अर्थ होगा, व्यर्थ का रक्त पात...

तो फिर हम क्या करें ?

मैं तुम्हें दस दिन का वक्त देकर यहां से रवाना होता हूं, यदि मैं इन दिनों में नहीं लौट आता तो तुम जैसा चाहो वैसा करना।

ठीक है स्वामी ! हम दस दिन तक आपके लौटने की प्रतीक्षा करेंगे। और तत्पश्चात जैसा उचित समझेंगे, वैसा ही करेंगे।

तत्पश्चात शाका ने उनसे विदाई ली. वह चेतक पर सवार हुआ और घोड़े को एड़ लगाकर स्वर्ण रेखा नदी में उतर गया।

चलो दोस्त !

इस बार अपना अभियान कठिन है, और मंजिल दूर।

नदी पार कर कुछ मील का रास्ता निर्विघ्न गुजर गया, लेकिन बुकेनो लोगों द्वारा चेतावनी के रूप में छोड़ा गया विषैला तीर पहला मोड़ काटते ही सर्र से उसके सामने से गुजर कर एक पेड़ में जा घुसा।

सर्र

दपट

शाका ने एक दम चेतक की लगाम खींच ली।

रुको दोस्त! लगता है, बुकेनो लोगों को हमारे आगमन की खबर मिल गई है।

थोड़ी देर बीतते-बीतते देर सारे बुकेनो पहाड़ की दरारों से निकल कर उसके सामने नमूदार हो गए। उन्होंने अपने तीरों से शाका को निशाना बनाया हुआ था।

ठहरो अजनबी! तुम आगे नहीं जा सकते!

मैं तो पहले ही ठहरा हुआ हूं, और मैं अजनबी भी नहीं हूं।

कौन हो तुम?

कोसिमा का महाबली शाका! लोग मुझे नागपुत्र या देवपुत्र भी कहते हैं।

बुकेनो की भीड़ से एक बुकेनो आगे बढ़ा, उसने बाकी लोगों को शान्त रहने का इशारा देकर शाका से कहा।

मैं तुम्हें पहचानता हूं, शाका! लेकिन तुम हमारे देश में क्यों आए हो?

मैं आपके सरदार उडालो से मिलना चाहता हूं।

उडालो से मिलने के लिये पहले तुम्हें उससे आज्ञा लेनी होगी। फिर अपने शस्त्र, भाला और छुरा तथा घोड़ा भी हमें सौंपना होगा।

दोस्तो! मेरे यहां आने का लक्ष्य तुम लोगों को हानि पहुंचाना नहीं है, तुम लोग मेरे शस्त्र और घोड़ा रख लो।

शाका ने अपने शस्त्र और घोड़ा बुके नो लोगों को सौंप दिये और उनके साथ चल दिया।

अपने बड़े मकान में एक ऊंचे स्वर्ण जटित सिंहासन पर बैठा, उडालो मन ही मन उत्तेजित था। एक अजनबी के उसके क्षेत्र में दाखिल होने और बाद में पकड़े जाने की खबर उसे मिल चुकी थी। और वह उसके लिये कड़ी सजा भी सोच चुका था।

लेकिन जब उसके आदमी निःशस्त्र शाका को लेकर उसके सामने उपस्थित हुए तो—

सरदार! हमने इस व्यक्ति को अपने क्षेत्र में दाखिल होते हुए पकड़ा है, यह आपसे मिलना चाहता था।

इसके बंधन खोल दो, मैं इसे पहचानता हूं।

जंगलियों ने शाका के बंधन खोल दिये।

अब बताओ महाबली, तुम किस कारण से मेरे क्षेत्र में दाखिल हुये ? मैं यह जानता हूं, तुम हमारे शत्रु नहीं हो, फिर भी यह ठीक तो नहीं।
उसके लिये मैं क्षमा चाहता हूं, किन्तु विवशता थी मेरी।
कैसी विवशता मुझे बताओ। शायद मैं कुछ हल निकाल सकूं
शाका ने आदिवासियों की लड़कियों के अपहरण की बात बताई, यह सुनने के बाद उडालो बोला।
यह काम अवश्य ही अग्नि मानवों का है।
अग्नि मानव ! वे कौन हैं ?
यहां से तीन बड़े पर्वतों के पार घने जंगलों से घिरा एक ऊंचा पठार है, वे उसी पठार के गर्भ में रहते हैं।
तुम इतना कुछ कैसे जानते हो उनके विषय में ? क्या कभी वहां गए हो ?

मैं वहां कभी नहीं गया, क्योंकि दूसरों के देशों में अनाधिकृत प्रवेश करना हमारी जाति की परम्परा नहीं है।

तो फिर ?

कई वर्ष पहले हमने चोरी से दाखिल होते अपने देश में एक अग्नि मानव को पकड़ा था। हमने उसे ताड़ना दी तो उसी ने हमें ये जानकारी दी थी!

कैसे होते हैं ये अग्नि मानव? मेरा मतलब है, उनका रंग-रूप आदि कैसा है?

उसी अग्नि मानव से मिली जानकारी के अनुसार अग्नि मानवों का शरीर गोरे-चिट्टे रंग का होता है। वे शरीर पर चीते की खाल पहनते हैं, लम्बे-लम्बे बाल रखते हैं। उनके प्रिय हथियार भाला-चाकू और पेड़ की छाल से बनी हुई एक मजबूत रस्सी है।

सबसे अहम बात उनके बारे में ये है कि उनका शरीर रात के अंधेरे में भी चमकता है, शायद इसीलिये वे अग्नि मानव कहलाते हैं।

रात को चमकने वाले मानव? विश्वास नहीं होता कि यह भी संभव है?

पहले मैं भी विश्वास नहीं करता था, किन्तु जब अपनी आंखों से देख लिया तभी इस सत्यता पर विश्वास हुआ।

क्या वह आदमी अब भी तुम्हारे कब्जे में है ?
नहीं-यद्यपि मेरे आदमी उसे मार डालने पर जोर दे रहे थे, किन्तु मैंने उसे छोड़ दिया था। वह वापिस अपने देश लौट गया था!
कोई नाम बताया था उसने अपना ?
हां। चाको नाम था उसका. उसने अपनी जाति के विषय में कई विस्मयकारी बातें बताई थीं।
कौन सी बातें ?
उसने कहा था कि उनकी जाति में स्त्रियां नहीं होतीं।
बे बुनियाद बात! भला कोई प्राणी माता के बिना भी पैदा हो सकता है ?
मैंने भी उसकी बात पर विश्वास नहीं किया था, किन्तु फिर मैं ये सोचकर चुप रह गया था कि जब उन लोगों से कोई सम्बन्ध बनाना ही नहीं है तो उनके विषय में जानने से क्या लाभ? एक और बात भी उसने बताई थी।
कौन सी बात ?
उसने अपनी आयु तीन सौ वर्ष की बताई थी।

ती... न...सौ... वर्ष...! मुझे यकीन नहीं आता। उनकी लम्बी आयु का क्या रहस्य हो सकता है ?
मैं क्या जानूं। कभी उनसे मिलो तो स्वयं ही पूछ लेना. लेकिन एक पड़ोसी होने के नाते मैं तो तुम्हें यही राय दूंगा कि उन लोगों से ना ही मिलो तो अच्छा है।
तुमने मेरी उत्सुकता जगा दी है सरदार उडालो, अब तो मैं उन लोगों को जरूर देखना चाहूंगा।
सुना था तुम जिद पर कायम रहने वाले व्यक्ति हो, जिस काम को करने की ठान लेते हो उसे करके ही रहते हो. आज मैं स्वयं देख रहा हूं।
बात जिद की नहीं, वचन पालन करने की है, मैं अपने आदमियों को विश्वास देकर आया हूं कि उनकी लड़कियों को ढूंढ कर ही लौटूंगा।
मेरी शुभकामनाएं। मेरे योग्य कोई सेवा हो तो बताओ ?
शाका झिझका, लेकिन उडालो ने उसे फिर उत्साहित किया।
बोलो- बोलो मेरे लिये कोई और सेवा ?
उडालो ! अगर तुम इस अभियान में मेरे साथ चलो तो कैसा रहे ?

क्या अकेले जाने में तुम्हें भय मालूम हो रहा है ?
डर और मुझे-? हा.. हा.. हा.. हा.. उडालो। शाका किसी से भी नहीं डरता सिवाय ईश्वर के!
तब फिर क्या बात है ?
सच बताऊं बुकेनो सरदार ! तुम मुझे बहुत भले आदमी लगे हो. तुम मित्रता के योग्य हो, और मैं चाहता हूं इस अभियान में मैं और तुम इकट्ठे रहें ताकि हमारी दोस्ती और पक्की हो सके।
मित्रों के लिये तो मेरी जान भी हाजिर है, विश्वास रखो दोस्त, उडालो तुम से पीछे नहीं रहेगा।
मित्रता के हवाले पर उडालो ने शाका की बात स्वीकार कर ली।
तब फिर यह निश्चय रहा कि हम दोनों कल भोर होते ही यहां से निकल पड़ेंगे, पर तुम्हें ये अभियान पैदल ही करना पड़ेगा।

वह, क्यों ? घोड़े ले जाने में क्या हर्ज है ?
बंडा जाति के क्षेत्र में पहुंचने से पहले ही हमें एक अति भयंकर दलदल को पार करना पड़ेगा, वहां ऐसी भयंकर दलदल है कि जरा सी असावधानी दोनों की जान ले सकती है।
दलदली क्षेत्र तक घोड़ों पर पहुंचा जा सकता है हम वहां घोड़े छोड़ देंगे।
तुम्हारा घोड़ा बेशकीमती है, कहीं वह किसी ने चुरा लिया तो ?
मेरे घोड़े की फिक्र मत करो, चेतक मेरी बातों को खूब समझता है, यदि मैं उसे वहीं रुकने को कहूं तो वह भूखा-प्यासा रहकर भी महीनों रह सकता है।
यह तुम जानो ! तुम्हें आगाह करना मेरा फर्ज था।
तुम फिक्र न करो. चेतक को कुछ नहीं होगा।

अगले दिन उडालो के साथ शाका वहां से बंडाओं के क्षेत्र की ओर चल पड़ा। चलते समय बुकेनो बहादुरों ने उडालो के साथ चलने की जिद की लेकिन उडालो ने बड़ी दृढ़ता से उन्हें रोक दिया। शाका ने उन लोगों से कहा।

बुकेनो वीरो! यदि मेरे बाद मेरी खोज में मेरे सैनिक पहुचें तो उनसे तुम मित्रवत व्यवहार करना और उन्हें वस्तु स्थिति से अवगत करा देना।

यकीन रखो महाबली! ऐसा ही होगा। समझ लो कौसिमा वासी अब हमारे मित्र हैं।

दलदली क्षेत्र के पास पहुंच कर उडालो ने अपना घोड़ा रोका और शाका को रुकने का संकेत किया और कहा कि घोड़ों का आगे जाना असंभव है।

शाका ने दलदली इलाके का निरीक्षण किया। जमीन में जगह-जगह बुलबुले फूट रहे थे। बीच बीच में ऊंचे-ऊंचे पेड़ भी उगे थे, लेकिन उनका फासला काफी दूर था।

स्थिति सचमुच पेचीदा है, उडालो! लेकिन हम क्षेत्र को आसानी से पार कर लेंगे।

यह दलदल हम जमीन के रास्ते नहीं, पेड़ों द्वारा पार करेंगे।

कैसे?

पेड़ों के जरिये ? लेकिन पेड़ तो काफी दूर-दूर हैं, मैं वहां तक उछाल नहीं भर सकता।

यह काम तुम नहीं, मैं करूंगा तुम मजबूती से मेरी पीठ पर जमे रहना. इन पेड़ों की दूरी इतनी ज्यादा नहीं।

मुझे ऐसी छलांगें अक्सर लगानी पड़ती हैं।

शाका ने चेतक की पीठ थपथपाई।

घोड़े ने मानो हिनहिना कर स्वीकृति जताई

शाका ने उडालो को अपनी पीठ पर बिठाया और फिर जबरदस्त छलांग लगाई।

संभलकर महाबली !

डरो मत मेरे दोस्त !

फिर दलदल के बाहर पार पहुंचकर...
कमाल कर दिया दोस्त! यकीन नहीं आता, कोई मानव इतनी ऊंची छलांग भी लगा सकता है, ये मैंने आज ही देखा!
शाका मुस्कराया
अभी तो आगे-आगे और भी चमत्कार तुम देखोगे दोस्त. ये तो शुरुआत है।
पेड़ों का सिलसिला समाप्त हो चला था, अतः कुछ दूर चलने पर ही उन्हें बंडा लोगों का गांव नजर आने लगा।
देखो दोस्त! वह रहा बंडा लोगों का गांव।

आओ ! उन लोगों से पता करते हैं ।
चलो ! लेकिन सावधान रहना, बंडा लोग बहुत शक्की होते हैं, अजनबियों पर सहज विश्वास नहीं करते, उनके विषबुझे तीर सदैव तैयार रहते हैं।
दोनों सतर्कता पूर्वक बंडा लोगों के गांव की ओर चल पड़े ।
अभी दोनों कुछ ही दूर पहुंचे थे कि, वृक्षों के पीछे छुपे बंडा लोगों ने उन्हें घेरना आरम्भ कर दिया, कुछ बंडाओं के तीर सांय से उनके सामने से गुजर गये ।
सांय
सांय!
ये लोग उत्तेजित हैं इसलिए शान्त ही रहना उडालो !
कुछ ही देर में बौने बंडा, तीर, कमानों पर चढ़ाए, घेरा कसते हुए उन दोनों के समीप आ गए । एक बंडा सैनिक ने दूर ही से उन्हें अपनी भाषा में चेतावनी दी ।
तुम दोनों कौन हो अजनबी ?

जवाब उडालों ने दिया, वह बंडा भाषा जानता था।

हम तुम्हारे शत्रु नहीं, मित्र हैं।

बंडा लोगों का कोई मित्र नहीं, सच-सच बताओ, नहीं तो सैंकड़ों तीर तुम्हारे जिस्मों में पेवस्त हो जायेंगे।

ऐसी गलती हर्गिज न करना — वर्ना पछताना पड़ेगा। बुकेनो लोग यहां पहुंच कर तुम्हारे सारे गांव को बर्बाद कर देंगे, कोई नहीं बचेगा जीवित यहां।

क्या तुम बुकेनो हो?

हां-मैं बुकेनो सरदार उडालो हूं! और ये मेरा मित्र है महाबली शाका, कोसिमा के लोग इसे देवपुत्र और नाग पुत्र भी कहते हैं।

शाका का नाम हमने सुना है। लेकिन हम कैसे यकीन करें कि तुम सच बोल रहे हो?

तुम हमें अपने सरदार के पास ले चलो। वहां हम उसे संतुष्ट कर देंगे।

ठीक है! हम तुम्हें अपने सरदार के पास ले चलते हैं, लेकिन पहले तुम अपने यह हथियार हमें सौंप दो।

उडालो और शाका ने अपने अपने हथियार जमीन पर डाल दिये। उसी बंडा सैनिक ने दोनों के हथियार समेट लिये, और फिर तीरों के घेरे में बंडा सैनिक दोनों को लिये अपने सरदार के पास चल दिये।

जिस समय दोनों को बन्दी बनाकर बंडा सैनिक अपने सरदार उलांगो के पास पहुंचे, वह अपने घर के सामने बैठा अपनी दोनों बीबियों के साथ शराब पी रहा था।

दो लम्बे तगड़े अजनबियों को बंडा सैनिकों के द्वारा बन्दी बनाए जाते देख तुरन्त उठ खड़ा हुआ। संदेह से उसकी आंखें सिकुड़ गईं। उसने अपने सैनिक से पूछा!
ये लोग कौन हैं उलाना?
उत्तर दिया उडालो ने।
मुझे पहचानो उलांगो. मैं वीर बुकेनोजाति का सरदार उडालो हूं, और ये हैं वह महाबली शाका, जिनका दूर-दूर तक नाम है...
हम यहां तुम्हारे पास कुछ जानने आए हैं।
क्या जानना चाहते हो?
उडालो ने कोसिमा से चुराई गई लड़कियों के बारे में बताया।
हम ये जानने आए हैं, कि तुम्हारे आदमियों ने तो उन लड़कियों को नहीं चुराया.. यदि ऐसा है तो चुपचाप हमें वे लड़कियां वापस कर दो।
मान लो ऐसा ही हुआ हो? और यदि हम उन लड़कियों को वापिस न करें तब? तब तुम क्या कर लोगे?
तब मैं अपने साथी से कहूंगा कि वह तुम्हारे पूरे गांव के मर्दों को मार डाले और तुम्हारी औरतों व बच्चों को हांक ले जाएं।

हा..हा.. हा.. तुम दोनों मेरे इन जवानों के निशाने पर हो, फिर भी मुझे धमकी दे रहे हो? जानते हो उडालो, मेरे एक इशारे पर तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े हो जायेंगे।
यह धमकी नहीं है, उलांगो! हकीकत है, मेरा साथी तुम्हारे सैनिकों को चुटकियों में मसल सकता है।
उलांगो पहले ही शराब पिये हुए था। उडालो की धमकी ने उसे और उत्तेजित कर दिया।
सैनिको, टूट पड़ो इन दोनों पर और इन्हें बांधकर भैंत के बाड़े में डाल दो! कल रात देवता पर इन दोनों के गोश्त का प्रसाद चढ़ाया जाएगा!
पहले मैं तुम्हें शायद बता भी देता कि बड़ा लोगों ने कुछ काली और कुछ सफेद रंग की अनेक लड़कियों को अग्नि मानवों द्वारा ले जाते देखा है, लेकिन अब ये बात तुम्हें हर्गिज पता नहीं लगेगी, बल्कि अपनी धृष्टता का मजा चखना होगा!
आनन-फानन में अनेक बंडा, दोनों के ऊपर हावी, शीघ्र ही दोनों की मुश्कें कस दी गई। अपने दोनों हाथ झाड़ते हुए बंडा सरदार ने एक जबरदस्त ठहाका लगाया।
हा.. हा.. हा.. शरीर हाथी जैसा और ताकत चूहों से भी कम, इसी ताकत के बल पर धमकी दे रहे थे?

तुम्हें इसके लिये पछताना पड़ेगा उलांगो ! यदि हमें कुछ हो गया तो ध्यान रहे, बुकैनो सैनिक इस गांव को मटियामेट कर देंगे

ऐसा दिन कभी नहीं आएगा। कल रात तुम दोनों देवता का प्रसाद बन जाओगे । देवता के प्रसन्न होते ही तुम्हारे सैनिक तो क्या, संसार की कोई ताकत हम पर फतह नहीं पा सकेगी ।

मैं फिर कहता हूं, छोड़ दो हमें नहीं तो ?

उडालो की बात का उत्तर न देकर उलांगो ने अपने सैनिकों को संकेत कर दिया । जो हाथ पैर बंधे दोनों व्यक्तियों को खींचते हुए मौत के बाड़े की ओर ले चले ।

बौने सैनिकों ने शाका और उडालो को मौत के बाड़े में धकेल दिया । और दरवाजे को मजबूती से बन्द कर दिया । शाका और उडालो ने बाहर से आता बौने सैनिकों का अट्टहास सुना जो धीरे-धीरे दूर होता चला गया — फिर वहां एकदम मौत का सन्नाटा छा गया ।

जिस समय शाका और उडालो को मौत के बाड़े में धकेला जा रहा था, उसके कुछ ही क्षण बाद कोसिमा के अन्वेषण केन्द्र से लड़कियों की खोज में निकला हुआ वायु सेना का खोजी हैलीकाप्टर बहुत नीचे से वहां से उड़ता हुआ निकला——

पांचों सवार अपनी आंखों पर दूरबीन चढ़ाए नीचे की ओर ही देख रहे थे। बौनों के गांव में हलचल होती देख मेजर ने पायलट से कहा।

हैलीकाप्टर को थोड़ा और नीचा करो, मुझे जंगलियों के इस गांव में कुछ विशेष हलचल होती दिखाई दे रही है।

हो सकता है, वे अपना कोई उत्सव मना रहे हों?

शायद! पर मैं देख रहा हूं वे कुछ उत्तेजित से लग रहे हैं, अरे उनमें मगदड़ मच गई।

और अब जल्दी-जल्दी वे अपने झोंपड़ों में जा रहे हैं।

शायद हैलीकाप्टर को देखकर डर गए हैं, बेचारों को कभी ऐसी चीज देखने का मौका जो नहीं मिला होगा।

ऐसी बात तो नहीं है मेजर! आकाश में विमानों को उड़ता तो वे रोज ही देखते होंगे, हां ये हो सकता है कि उन्होंने इतना नीचे उड़ता हैलीकाप्टर न देखा हो!

हो सकता है, तुम सही कह रहे हो। पर न जाने क्यों मेरा मन कह रहा है, नीचे कोई अप्रत्याशित घटना घटी है, खैर आओ, अभी तो आगे की खोज करते हैं, वापसी में फिर एक बार यहां से गुजरेंगे!

मेजर के संकेत पर पायलट ने हैलीकाप्टर को ऊंचा उठा दिया फिर हैलीकाप्टर आगे की दिशा में बढ़ गया।

• क्या महाबली शाका और उडालो, बंडा सरदार की कैद से छूट सके ?

• क्या वायु सेना का खोजी दस्ता गुमशुदा लड़कियों को खोजने में सफल हो सका ?

• अग्नि मानव कौन थे ? उन्होंने कैंप की लड़कियों का अपहरण क्यों किया था ?

• इन सबका उत्तर आपको हमारी आगामी चित्रकथा 'महाबली शाका और अग्निमानव की तबाही' में मिलेगा, जो अतिशीघ्र प्रकाशित हो रहा है।

समाप्त

डायमंड पाकेट बुक्स में
विक्की आनन्द
कफन
विक्की आनन्द का नया जासूसी उपन्यास
कफन
का नया जासूसी उपन्यास
आग के शोले
प्रकाश भारती का नया उपन्यास
रंगे हाथ
कुमार कश्यप का
हत्यारों का शहर
श्रीकान्त पाटेकर
प्रकाश भारती
कुमार कश्यप
हत्यारों का शहर
रंगे हाथ
रानू का उपन्यास
पुजारी
पुजारी
गुलशन नन्दा का उपन्यास
सांझ की बेला

Presented by @sdch_club

Join us on telegram

t.me/comics_hindi

t.me/raj_comics_unofficial

t.me/tvseries_4u

t.me/video_short

t.me/joinchat/HOrD4ojPhi9YCoZU

t.me/joinchat/AAAAAFQGITMkD8puJ1QKrw